महत्वपूर्ण एवं खास

चिकन दुकान के पास खड़े ट्रक पार

रायपुर (आरएनएस)। खरोरा स्थित यादव चिकन दुकान के पास खड़े ट्रेलर को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर खरोरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी लेखराज देवागंन 35 वर्ष अपने ट्रेलर क्रमांक सीजी 07-एनए 4763 को खरोरा के यादव चिकन दुकान के पास खड़ी किया था। तभी अज्ञात चोर वाहन को ले गया। चोरी गए ट्रेलर की कीमत करीब 25 लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर खरोरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान का टूटा ताला, लाखों रुपए के जेवर पार

रायपुर (आरएनएस)। अरिहंत नगर आमानाका स्थित सूने मकान का ताला तोडक़र अज्ञात चोरों ने आलमारी में रखे लाखों रुपए के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार अरिहंत नगर निवासी प्रार्थी वेंकट रमन पटनायक 51 वर्ष अपने परिवार के साथ 21 जुलाई को बाहर गया था। जब कल दोपहर वापस लौटा तो देखा की उसके घर का ताला टूटा हुआ है, वहीं आलमारी में रखे करीब 4 लाख के सोने-चांदी के जेवर अज्ञात चोर ने पार कर दी है। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक से मारपीट

रायपुर (आरएनएस)। श्रीनगर स्थित उमा हार्डवेयर के पास कल शाम पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने दूसरे युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी करण चंदेल 20 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि वह कल शाम श्रीनगर स्थित उमा हार्डवेयर के पास खड़ा था, तभी आरोपी मोहित महानंद उसके पास आया और पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चाकू लहराते दो युवक गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चाकू लहराते दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर पुलिस ने इंद्रात्मानगर पुरैना में चाकू लहराते हुए आरोपी जसवंत सोना 22 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह सिविल लाइन पुलिस ने न्यू शांतिनगर स्थित एसबीआई बैंक के पास चाकू लहराते आरोपी अभिषेक वैष्णव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों मामले में आरोपियों के खिलाफ आम्र्स एक्ट 25 के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

पैसेंजर व एक्सप्रेस ट्रेन 28 जुलाई से 3 अगस्त तक किरंदुल नहीं जाएगी

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर संभाग के विभिन्न इलाकों में नक्सलियों द्वारा बेनर-पोस्टर लगाकर 28 जुलाई से 03 अगस्त तक शहीद सप्ताह मनाने का किया आह्वान के बाद एक बार फिर से किरंदुल-विशाखापटनम रेल लाईन में संचालित होने वाली पैसेंजर एवं एक्सप्रेस ट्रेन 28 जुलाई से 03 अगस्त तक किरंदुल नहीं जाएगी। इस अवधि में दोनों यात्री ट्रेनें वाल्टेयर से दंतेवाड़ा तक संचालित होंगी। रेल प्रशासन ने पूर्व हमलों को गंभीरता से लेते हुए यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर केके लाईन में संचालित पैसेंजर ट्रेन को किरंदुल की बजाए, दंतेवाड़ा तक ही चलाने का निर्देश जारी किया है। इस मार्ग पर रात्रि सात से सुबह छह बजे तक मालगाडिय़ों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी गई है।

हरेली पर रहेगी धूम : सीएम हाउस में आयोजन की जोरदार तैयारी

- पाटन के करसा गांव से मुख्यमंत्री बघेल करेंगे गोमूत्र खरीदी की शुरूआत
- किसान सम्मेलन का भी होगा आयोजन, मुख्यमंत्री करेंगे किसानों से चर्चा
- नये कृषि उपकरणों की होगी लांचिंग

रायपुर (आरएनएस)। हरेली छत्तीसगढ़ी संस्कृति, कृषि संस्कृति, परम्परा, लोक पर्व एवं पर्यावरण की महत्ता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजधानी रायपुर स्थित निवास पर हर बार की तरह इस बार भी किसानों, बहनों एवं भाइयों के साथ हरेली का पर्व पारंपरिक एवं धूमधाम से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री बघेल इस अवसर पर कृषि यंत्रों की पूजा भी करेंगे । हरेली पर्व को धूमधाम से मनाने के लिए मुख्यमंत्री निवास में तैयारियां जोर शोर से शुरू हो गई हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी लोक कलाकारों द्वारा सुआ, कर्मा, ददरिया और गेड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी तथा हरेली गीत भी गाए जाएंगे। छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिन सार्वजनिक अवकाशों की घोषणा की है, उनमें हरेली त्यौहार भी शामिल है।

गोमूत्र खरीदी का शुभारंभ- हरेली के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन ब्लाक के गांव करसा से गोधन न्याय योजना का विस्तार करते हुए गोमूत्र खरीदी का शुभारंभ करेंगे। गांव के पशुपालक चार रुपए प्रति लीटर में गोमूत्र विक्रय कर सकेंगे। हरेली के मौके पर होने वाली इस खरीदी से प्रदेश के गौवंशपालकों को आर्थिक रूप से बड़ी मजबूती मिलेगी। अब तक किसान गोबर का विक्रय करते आये थे अब गोमूत्र भी बेचने से उनकी आय में इजाफा होने से पशुधन विकास के कार्य को बढ़ावा मिलेगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि कृषि के साथ पशुपालन का कार्य करने से किसान अपनी आय दोगुनी करने का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। इस मौके पर करसा में कृषि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया है। यहां नये कृषि उपकरणों की लांचिंग होगी। खेती किसानी के लिए उपयोगी कृषि प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मुख्यमंत्री किसानों से खेती किसानी के बारे में बातचीत करेंगे और उनका सम्मान भी करेंगे। 20 जुलाई 2020 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हरेली पर्व के अवपर पर ही देश की अनूठी गोधन न्याय योजना की शुरूआत की थी।

बैलगाड़ी से पहुंचेंगे पूजास्थल- मुख्यमंत्री हरेली पूजास्थल में बैलगाड़ी से पहुंचेंगे। वहां वे गौमाता की पूजा करेंगे। साथ ही परंपरागत रूप से कृषि उपकरणों की पूजा करेंगे। वे मशीन से पैरा काटेंगे और गायों को खिलाएंगे। हरेली के मौके पर गोवंश की पूजा होती है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल भी मुख्यमंत्री ने अपने निवास से बैलगाड़ी से निकले थे और सुंदर परंपरागत तरीके से हरेली का उत्सव मनाया था।

नये कृषि उपकरणों की होगी लांचिंग - किसान सम्मेलन का खास आकर्षण नये कृषि उपकरणों की लांचिंग होगा। इसमें सबसे खास है एक ऐसा ड्रोन जिसके माध्यम से फर्टिलाइजर और कीटनाशक की समुचित मात्रा में काफी कम समय में छिडक़ाव हो सकेगा। इसके साथ ही कृषि के लिए उपयोगी अत्याधुनिक उपकरण भी डिस्प्ले के लिए लगाए जाएंगे। कृषि सम्मेलन में विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे जिनसे किसान आधुनिक तरीके से खेती के संबंध में और खेती में आई नई तकनीक के बारे में जानकारी ले सकेंगे।

छत्तीसगढ़ी खेलों की होगी धूम - हरेली खेती का त्योहार है और साथ ही छत्तीसगढ़ में खेलों का सबसे बड़ा दिन। इस मौके पर छोटे बच्चे तो गेड़ी चढ़ते ही हैं बड़े बुजुर्ग भी गेड़ी चढ़ते हैं। इस दिन करसा में गेड़ी प्रतियोगिता भी होगी और इसके विजेताओं को सम्मानित भी किया जाएगा। इस मौके पर गेड़ी रेस, भौंरा, पि ूल, कंचा, पतंग, गोली चम्मच, खोखो, रस्सा खींच, तिग्गा गोटी और गिल्ली डंडा जैसे खेलों का आयोजन भी किया जाएगा। प्रदेश के सभी स्कूलों में भी गेड़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

खेती किसानी पर होगी चर्चा- हरेली का त्योहार अच्छी फसल की कामना के लिए सबसे खास त्योहार है। यह उत्सव का समय भी है और बेहतर खरीफ फसल के लिए विचारविमर्श कर योजना बनाने का भी। मुख्यमंत्री कृषक सम्मेलन में किसानों से बातचीत करेंगे। मुख्यमंत्री स्वयं किसान भी हैं इसलिए अपने अनुभव भी साझा करेंगे। साथ ही सरकार द्वारा किसानों के हित में आरंभ की गई योजनाओं की जानकारी भी देंगे। वे किसानों के अनुभव भी जानेंगे और उनसे चर्चा भी करेंगे।

गोमूत्र खरीदी इसलिए- छत्तीसगढ़ सरकार जैविक खेती की ओर राज्य को ले जाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसके लिए आवश्यक है कि गोवंश संवर्धन हो और इनका पालन किसानों के लिए उपयोगी हो। गोबर खरीदी के माध्यम से और इसके द्वारा वर्मी कंपोस्ट बनाकर जैविक खाद का बड़े पैमाने पर उत्पादन प्रदेश में हो रहा है। अब गोमूत्र खरीदी से किसानों के लिए अतिरिक्त आय का जरिया तैयार होगा। इससे वे पशुपालन की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ेंगे और उनकी आय की स्तर में बढ़ोत्तरी होगी।

अधिकारी व कर्मचारी गए हड़ताल पर, कामकाज ठप

कोरबा। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन के आह्वान पर केन्द्रीय कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ते डीए और मकान किराया एचआर की मांग को लेकर आज से राज्य सरकार के अधिकारियों व कर्मचारियों के पांच दिवसीय हड़ताल पर चले जाने के कारण सरकारी कार्यालयों का कामकाज पूरी तरह ठप्प हो गया। कई कार्योलयों के ताले भी नहीं खुले। स्कूलों में भी तालाबंदी की। जिससे लोग अपनी आवश्यक सरकारी कामकाज के लिए भटकते नजर आये।

हड़ताली एवं कर्मचारियों के अनुसार अभी केन्द्र सरकार के कर्मचारियों को 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। जबकि उन्हें महज 22 फीसदी मिलता है। ऐसे में उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। शासन से कई बार महंगाई भत्ता व मकान किराया को बढ़ाकर केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के समान दिये जाने की मांग की गई, लेकिन सरकार का रवैय्या उदासीन बना रहा। इस हेतु फेडरेशन की ओर से अल्टीमेटम भी दिया गया था और कहा गया था कि यदि डीए बढ़ाने संबंधी उनकी मांगे 24 जुलाई तक नहीं मानी गई तो 25 जुलाई से राज्य सरकार के सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने हक के लिए आंदोलन करने को बाध्य हो जाएंगे। उनकी हड़ताल 29 जुलाई तक चलेगी। इस दौरान किसी प्रकार की यदि अप्रिय स्थिति बनती है तो इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार होगी। अल्टीमेटम की अवधि के बाद छत्तीसगढ़ अधिकारी-फेडरेशन के प्रांतीय आह्वान पर आज सुबह से जिले के अधिकारी व कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए। अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सामुहिक अवकाश लेकर जिला मुख्यालय में तानसेन चौक पर धरना प्रदर्शन किया और डीए व एचआरए बढ़ाने की मांग की। जबकि विकासखंड स्तर के अधिकारी व कर्मचारी विकासखंड मुख्यालय में एकत्रित होकर धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके लिए जहाए पोड़ी उपरोड़ा एवं कटघोरा ब्लाक के अधिकारी-कर्मचारी कटघोरा पहुंचकर धरना प्रदर्शन किये वहीं पाली क्षेत्र के अधिकारी व कर्मचारियों ने वहां पर धरना प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इसके अलावा अन्य स्थानों पर भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन किये जाने की सूचना मिली है। अधिकारी एवं कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के कारण सरकारी कार्योलयों में कामकाज पूरी तरह ठप हो गया। हड़ताल को शिक्षकसंघ, पटवारी संघ व अन्य कर्मचारी संगठनों का समर्थन प्राप्त है, शो इससे जुड़े लोग भी इसमें शामिल होकर अपनी मांगे रखी।

शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी गठित

कोरबा। छत्तीसगढ़ शिक्षक वेल्फेयर एसोसिएशन जिला इकाई कोरबा की बैठक शिक्षक सदन घंटाघर में हुई है। एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष डॉ. गिरीश केशकर व प्रांतीय सचिव तरुण प्रकाश वैष्णव की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से कोरबा जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया।

जिसमें जिलाध्यक्ष हरिराम पटेल, कार्यकारी जिलाध्यक्ष डीएस मिरी, सपना खिब्रगाढ़े, उपाध्यक्ष योगेश भोशले, देवेंद्र वर्मा, पिंकी भट्टाचार्य, अशोक राठिया, महामंत्री अनिल रात्रे व निशा चंद्रा, सचिव रूपनारायण पटेल, कोषाध्यक्ष मोहन लाल, उप कोषाध्यक्ष मैनोज बघेल, संयुक्त सचिव विनोद निराला, फिरोजा खान, बीपी रात्रे, कलाराम मल्होत्रा, सह सचिव अजय जायसवाल, यशोदा कंवर, अशोक बंजारे, चलेश्वरी साहू, प्रवक्ता प्रकाश राजवाड़े, चंद्रशेखर गौरहा, भरत सिंह ध्रुव, मीडिया प्रभारी शिव साहू, संजय चंद्रा, मिलाप सिंह कंवर, संगठन सचिव अरविंद पैगोर, तेन सिंह भारद्वाज, संगीता दिग्रसकर, रीता चौधरी, नीलम इंदु खाखा, विनोद रत्नाकर, स्वाति तिवारी, वीणा राही तोमर, सांस्कृतिक सचिव श्रद्धा वर्मा, पिंकी लाल, दिलीप कुर्रे, सुनीता डोंगरे, कार्यकारिणी सदस्य नमिता कड़वे, उषा साहू, सचि तिवारी, सागर सिंह कमल, प्रीतमलाल राजवाड़े, हेमा शर्मा, दयाराम खूंटे को शामिल किया गया।

एबीवीटीपीएस में 526 व्यक्तियों को लगाया गया कोविड-19 के बूस्टर डोज

कोरबा। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस) मड़वा में 18 वर्ष से अधिक उम्र के 526 व्यक्तियों को नि:शुल्क कोविड-19 बूस्टर डोज लगाया गया।

इनमें 484 कोविशील्ड एवं 42 डोज को-वैक्सीन के शामिल हैं। मुख्य अभियंता एचएन कोसरिया ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए प्राथमिकता के साथ बूस्टर डोज लगवाया। विद्युत संयंत्र के व्यावसायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीएचपी परिसर, तकनीकी भवन और विद्युत संयंत्र अस्पताल में बूस्टर डोज लगाने का प्रबंध किया गया था। यह अभियान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आरके.सिंह के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलौदा के खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ.एस. गुप्ता, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर पार्थ सिंह और अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र के समन्वय से आयोजित हुआ। इसमें अति.मुख्य अभियंता रामजी सिंह, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. आरके साहू, चिकित्सा अधिकारी डॉ. कल्पदीप देब डॉ. प्रवीण पटेल, डॉ. पल्लवी साहू एवं बलौदा सीएचसी के स्टाफ नर्स एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।

चुईया में जलजमाव से ग्रामीणों की बढ़ी मुश्किलें

कोरबा। ग्रामीण विकास के नाम पर सरकार करोड़ो रुपए पानी की तरह बहा रही है। मगर गांव की सूरत बिगड़ती जा रही है। कोरबा जिले के ग्रामीण इलाके में जलभराव से लोगो की मुश्किलें बढ़ गई है।

गांव में नालियों का निर्माण न कराए जाने से गलियों में लबालब पानी भरा हुआ है। रास्ते पर कीचड़ की भरमार है। बारिश के मौसम में जिले के अधिकांश गांव के हालात बदतर हो चुके है। मगर इस ओर ध्यान देने वाला कोई नहीं है। बदहाल तस्वीर चुईया ग्रामपंचायत के भटगांव की है। हर साल बारिश के मौसम में इसी तरह गांव की सूरत बिगड़ जाती है। कुछ साल पहले इस गांव में गली का कांकरीटीकरण किया गया। मगर उस दौरान एजेंसी द्वारा नालियों का निर्माण नहीं कराया गया। जिसके कारण बारिश के पानी की निकासी नही हो पा रही है। नीचेपारा और ऊपरपारा में हालात बद से बदतर हो चुका हैं। पिछले 2 सप्ताह से इसी तरह रास्ते पर जलभराव है ऐसे में लोगों का चलना मुश्किल हो गया है। गलियों में पानी के ठहराव की वजह से कीचड़ उत्पन्न हो गया है। जिससे वाहनों के फंसने की आशंका बढ़ गई है। गांव में कृषि कार्य तेजी से चल रहा हैए ऐसे में किसानों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।जलभराव के चलते लोगों का चलना फिरना तो मुश्किल हो ही गया है। बड़े पैमाने पर मच्छर भी पनप रहे हैं। जिससे लोग काफी परेशान हैं।

कई बार मामले की शिकायत पंचायत सरपंच और संबंधित अधिकारियों से की गई। मगर इस ओर ध्यान देने वाला कोई नहीं है। अफसरों के इस रवैए को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। ना सिर्फ भटगांव बल्कि जिले के अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र में यही हालात हैं। गांव के विकास के नाम पर भीतरी सडक़ों का जीर्णोद्धार किया गया हैए लेकिन नियम के तहत नालियों का निर्माण नहीं किया गया। जिसके कारण बारिश के मौसम में यह हालात उत्पन्न हो जाते हैं। पानी के भराव की वजह से कंक्रीट भी उखडऩे लगे हैं जिससे सरकार को भी आर्थिक क्षति पहुंच रही है।

अमृत महोत्सव : उज्ज्वल भारत, उज्ज्वल भविष्य ऊर्जा महोत्सव मनाएगा बिजली विभाग, योजनाओं की देंगे जानकारी

कोरबा। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत बिजली विभग उज्ज्वल भारत, उज्ज्वल भविष्य ऊर्जा थीम पर महोत्सव मनाएगा। जिसमें नुक्कड़ नाटक व के साथ वीडियो, ऑडियो के जरिए प्रोजेक्टर पर लोगों को ऊर्जा निगम की योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा। योजनाओं से लाभान्वित होने वाले लाभार्थियों को बुलाकर सम्मानित भी किया जाएगा। उच्च स्तर से मिले निर्देशों के तहत प्रदेश के प्रत्येक जिलो में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई है। जिसके तहत बिजली वितरण विभाग से जिले में शहरी क्षेत्र के कार्यपालन अभियंता अनुपम सरकार और एनटीपीसी कोरबा को एजीएम स्वाइन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कार्यपालन अभियंता अनुपम सरकार ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत उज्ज्वल भारत, उज्जवल ऊर्जा महोत्सव कार्यक्रम में लोगों को बिजली विभाग से संबंधित योजनाओं जैसे हाफ बिजली योजना, कृषि पंपों को नि:शुल्लक विद्युतीकरण योजनाए सिंचाई पंपो का विद्युतीकरण, बीपीएल बिजली उपभोक्ताओं को निशुल्क बिजली प्रदान करने की योजनाए मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना, मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना, मुख्यमंत्री विद्युतीकरण अधोसंरचना विकास योजना जिसके अंतर्गत सब.स्टेशनों का संधारण,सोलर रूफटॉप योजनाओं, सौभाग्य योजना व अन्य कार्य शामिल है इसके बारे में अवगत कराया जाएगा। उज्जवल भारत, उज्जवल उज्जवल ऊर्जा महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित तिथि पर आयोजित कार्यक्रमों के दौरान शासन की योजनाओं से लाभान्वित कुछ लोगों को मंच पर आमंत्रित भी किया जाएगा। लोगों से योजना को लेकर जो सवाल होंगे उसकी जानकारी भी दी जाएगी।

उज्जवल भारत, उज्जवल भविष्य ऊर्जा कार्यक्रम में लोगों को आजादी से अब तक बिजली व्यवस्था में किए गए परिवर्तन आधुनिकीकरण और नवीनीकरण के बारे में जानकारी दी जाएगी। कोरबा में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सीएसपीडीसीएल व एनटीपीसी व जिला प्रशासन की सहभागिता रहेगी। इसके तहत 28 जुलाई को कर्मचारी प्रशिक्षण केंद्र एनटीपीसी टाउनशिप कोरबा में और 29 जुलाई को अग्रसेन भवन कटघोरा में यह कार्यक्रम आयोजित होगा।

भू-विस्थापितों ने कहा: वादाखिलाफी नहीं चलेगी, पांच अगस्त को खदानबंदी की चेतावनी दी

कोरबा। किसानसभा ने एसईसीएल प्रबंधन पर नौकरी, बसावट व अन्य मांगों के निराकरण के नाम पर आश्वासन देकर वादा-खिलाफी का आरोप लगाया है। किसान सभा और भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ ने एसईसीएल के कुसमुंडा महाप्रबंधक संजय मिश्रा व गेवरा सीजीएम एसके मोहंती को पत्र देकर लंबित रोजगार प्रकरण, बसावट सहित 16 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है और निराकरण नहीं होने पर 5 अगस्त को कोल इंडिया के मेगा प्रोजेक्ट कुसमुंडा, दीपका और गेवरा सहित तीनों खदानों के उत्पादन को बंद करने की चेतावनी दी है।

इसके साथ ही महाप्रबंधक कार्यालयों का घेराव करने और दफ्तरों में तालाबंदी की चेतावनी भी दिया है। संगठन का कहना है कि छत्तीसगढ़ किसान सभा भू विस्थापितों रोजगार एकता संघ की संयुक्त रूप से एसईसीएल गेवरा महाप्रबंधक के कार्यालय में कुसमुंडा व गेवरा महाप्रबंधक के साथ सभी क्षेत्रों के भू-विस्थापितों के लंबित रोजगार, बसावट व प्रभावित गांव की मूलभूत समस्याओं को लेकर बैठक में लगभग 3 घंटे तक चर्चा हुई। जिसमें एसईसीएल की ओर से बैठक में मांगो को पूरा करने के लिए और समय मांगा। जिस पर भू-विस्थापितों ने और समय देने से इंकार कर दिया और प्रबंधन पर झूठा आश्वासन देने का आरोप लगाते हुए आंदोलन का ऐलान किया। इस दौरान दामोदर श्याम,रेशम यादव,बलराम,दीना, सनत, रघु, मोहन कौशिक, टकेश्वर, राजेश, डुमन, विजय, नरेंद्र, घनाराम, हेलाल, बजरंग सोनी, शेखर, बेदराम,

नारायन, मोहन यादव, अशवनी, बसंत चौहान, हरी शंकर, होरीलाल, सुमेन्द्र सिंह, रामप्रसाद, नागेश्वर पंकज,गोरेलाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

किसान सभा के जिला सचिव प्रशांत झा ने कहा कि एसईसीएल ने कुसमुंडा, गेवरा, कोरबा, दीपका क्षेत्र के खदान के लिए कई गांव का अधिग्रहण किया है, लेकिन आज भी बड़ी संख्या में भू-विस्थापित रोजगार के लिए कार्यालयों के चक्कर काट रहे है। कुसमुंडा में जमीन के बदले रोजगार की मांग को लेकर 266 दिनों से धरना प्रदर्शन चल रहा है। लेकिन प्रबंधन भू-विस्थापितों से हर बार केवल समय की मांग करता है और गुमराह किया जाता है। किसान सभा के जिलाध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर, दीपक साहू, जय कौशिक,भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ के दामोदर श्याम,रेशम यादव, बलराम, रघु ने कहा कि जिनकी जमीन एसईसीएल ने ली है। ज्ञापन में प्रभावित गांवों में बिजली और पानी की सुविधा नि:शुल्क देने व अन्य सभी प्रभावित छोटे-बड़े खातेदारों को स्थाई नौकरी देने,आंशिक अधिग्रहण पर रोक लगाने, मकानों का मुआवजा व अन्य मुद्दों को लेकर पत्र दिया।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ताकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU